एक नजर में

संतरा उत्पादक किसान पाटीदार सम्मानित

शाजापुर, 30 जुलाई . मो. बड़ोदिया के प्रगतिशील संतरा उत्पादक कृषक संदीप पाटीदार को केन्द्रीय नींबूवर्गीय फल अनुसंधान संस्थान नागपुर (आईसीएआर) द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर नवाचार हेतु चयन कर प्रशस्ति पत्र देकर नागपुर में सम्मानित किया गया. कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जीआर अम्बावतिया ने बताया कि किसान पाटीदार कृषि विज्ञान केन्द्र एवं उद्यानिकी विभाग से लगातार संपर्क में रहकर बताई गई, संतरा उत्पादक तकनीकियों को अपनाकर अन्य कृषकों हेतु नवाचार करते रहते हैं. इनको कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा गत वर्ष चयन कर नागपुर संतरा उत्पादक प्रशिक्षण हेतु भी भेजा गया था. इन्होंने उद्यानिकी विभाग द्वारा भारत सरकार की योजना अंतर्गत ग्रेडिंग एवं प्रोसेसिंग ईकाई भी लगा रखी है, जिससे स्वयं का और क्षेत्र के अन्य कृषकों के संतरे का भी ग्रेडिंग करेंगे. साथ ही संतरे में जैविक खादों का प्रयोग फसल विविधीकरण (हल्दी) एवं जलवायु परिवर्तन को देखते हुए बाहर परिवर्तन पर भी नवाचार कर संतरे की उच्च गुणवत्ता (बारिश एवं गर्मी) के फल प्राप्त कर भी नवाचार करते रहते हैं.

मोहना से कावड़ियों का जत्था, उज्जैन के लिए रवाना

मोहन बड़ोदिया, 30 जुलाई . मोहन बड़ोदिया तहसील के ग्राम मोहना से 200 से अधिक कावड़िए हर हर महादेव के जयकारे व चल रे कांवरिया शिव के धाम सहित आदि भक्ति गीतों पर नाचते हुए निकले. यात्रा से पूर्व नगर में शोभायात्रा निकाली गई. जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. कावड़ यात्रा ग्राम मोहना के अंबिका चौक में पहुंची तो नगर के श्रद्धालुओं ने जगह-जगह सभी कावड़ियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया. इस दौरान युवक युवतियां एवं महिलाओं ने भक्ति गीतों के साथ ही कुमारिया खास स्थित श्रीमनकामनेश्वर महादेव मंदिर तक हजारों महिलाओं ने जल लेकर मंदिर पहुंची और बाबा को जल से अभिषेक किया गया एवं मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन भी किया गया. मोहना से निकली कावड़ यात्रा करीब 120 किलोमीटर की यात्रा कर उज्जैन बाबा महाकाल का जल से अभिषेक करेगी. यात्रा संयोजक ग्राम पंचायत मोहना के सरपंच सत्यनारायण जामलिया ने बताया कि सभी कावड़ियों की भोजन, पानी की सभी व्यवस्था साथ ही रखी जा रही है. वहीं मोहन बड़ोदिया में भी महाकाल भक्त मंडल के तत्वाधान में मोहन बड़ोदिया के श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर से ग्राम कुमारिया के श्रीमनकामनेश्वर महादेव मंदिर तक बैंड बाजे के साथ कावड़ियों ने पहुंचकर बाबा श्रीमनकामनेश्वर महादेव का जल से अभिषेक किया.

शिव शक्ति की कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

सुसनेर, 30 जुलाई . युवाओं के कंधों पर आस्था की कांवड़, महिलाओं के सिर पर आस्था रूपी जल से भरे कलश और हवा में गूंजते बोल बम के जयघोष के साथ दुल्हन की तरह सजे शहर में शिवशक्ति कांवड़ व कलश यात्रा संघ के तत्वावधान में बुधवार को सिंचाई विभाग स्थित श्री मनकामनेश्वर महादेव मंदिर से पंचदेवलिया महादेव का जलाभिषेक करने 11वीं भव्य कावड़ एवं कलश यात्रा निकाली गई. इस कांवड़ यात्रा में साम्प्रदायिक सद्भावना की झलक भी पूरे नगर में देखने को मिली. यात्रा में शामिल शिवभक्तों का नगर के हर समाज के तबके ने मंच लगाकर स्वल्पाहार व पुष्पवर्षा से स्वागत किया. हाथी दरवाजे पर मुस्लिम समाजजनों के द्वारा शिवभक्तों का पुष्पों से स्वागत किया गया. शिवशक्ति कावड़ एवं कलश यात्रा संघ के तत्वावधान में निकाली गई इस यात्रा में हजारो श्रद्धालुओं ने 10 किलोमीटर की पद यात्रा कर पंचदेहरिया महादेव का जलाभिषेक और पूजन और दर्शन किए. उधर, सुबह से ही भक्तों द्वारा पंचदेहरिया महादेव का जलाभिषेक शुरू हो चुका था. सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के श्रद्धालु सुबह से शाम तक जलाभिषेक करते रहे.

भोले बाबा का महारुद्राभिषेक किया

यात्रा की शुरुआत दोपहर 12 बजे डाक बंगला रोड पर सिंचाई विभाग परिसर में स्थित श्री मनकामनेश्वर महादेव मंदिर में भोले बाबा का महारूद्राभिषेक कर की गई. यात्रा नगर के विभिन्न मार्गो से ग्राम मैना होते हुए, पंचदेहरिया महादेव पहुंची. जहां यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं ने महादेव का जलाभिषेक कर महाआरती की. यात्रा में डीजे, बैण्ड-बाजे, ताशे, आकर्षक झांकियां, कड़ा बीन, ऑपरेशन सिंदूर पर बनी झांकी, फूलों की तोप आकर्षण का केंद्र रहे. यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा व स्वल्पाहार से स्वागत भी किया गया. इस अवसर पर राणा चितरंजन सिंह, नप अध्यक्ष प्रतिनिधि राहुल सिसोदिया, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जैन, पार्षदए व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे. इस यात्रा में पूर्व विधायक राणा विक्रम सिंह भी भोले की भक्ति में लीन दिखाई दिए. उन्होंने अपने कंधों पर कांवड़ उठाकर पैदल ही 10 किलोमीटर की दूरी तय करके महादेव का अभिषेक कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की. कलश एवं कांवड़ यात्रा में 8 से 10 साल के कई बच्चे अपने कंधे पर कावड़ लेकर शामिल हुए. पंचदेवलिया महादेव के लिए निकली इस यात्रा में राजस्व विभाग, पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग का महकमा दिनभर तैनात रहा. पुलिसकर्मियों व स्वास्थकमियों ने पूरी यात्रा में अपनी-अपनी व्यवस्थाएं संभाली. वहीं कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी अपना योगदान दिया.

राजस्व न्यायालय कार्य में तेजी लाने नई व्यवस्था लागू

मक्सी, 30 जुलाई . राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण हेतु प्रशासन ने नई कार्य व्यवस्था लागू की है. इसके तहत पीठासीन अधिकारी नायब तहसीलदार गौरव पोरवाल मक्सी में बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार को तथा बेरछा में सोमवार एवं मंगलवार को उपस्थित रहेंगे. बुधवार को पदभार ग्रहण करने के बाद नायब तहसीलदार गौरव पोरवाल ने सक्रियता दिखाते हुए तहसील में लंबित प्रकरणों की सुनवाई के लिए तत्काल तारीख पेशी की प्रक्रिया आरंभ की. कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में नियुक्त सभी पीठासीन अधिकारी अब कार्यालयीन दिवसों में सुबह 10 .30 बजे से शाम 6 बजे तक केवल राजस्व न्यायालय संबंधी कार्य ही संपादित करेंगे. उन्होंने बताया कि इस नई व्यवस्था से नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण में सहायता मिलेगी और आमजन को जल्द न्याय मिलेगा.

शिकायतों के निराकरण में सीएम ने कहा- शाबाश डीएम...

सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में शाजापुर जिला दो महीने से लगातार प्रदेश में प्रथम

शाजापुर, 30 जुलाई. लोगों की शिकायतों के निराकरण के लिए मप्र सरकार ने सीएम हेल्पलाईन शुरू की थी. इस पर शिकायत करने पर तुरंत निराकरण का दावा किया जाता है. शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग की रैंकिंग भी तय होती है. शाजापुर जिला लगातार सीएम हेल्पलाईन के मामले में पूरे प्रदेश में अव्वल आ रहा है. प्रदेश के तीन जिलों में तो शाजापुर का नाम सीएम हेल्पलाईन निराकरण के मामले में दर्ज है. इस मामले में समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शाजापुर कलेक्टर ऋजु बाफना को सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में शाजापुर जिला अव्वल आने पर बधाई दी.

गौरतलब है कि आमजनों की शिकायतों को सीएम हेल्पलाईन पर गंभीरता से सुना जा रहा है और उसका निराकरण किया जा रहा है. इसका उदाहरण बना शाजापुर जिला. कलेक्टर ऋजु बाफना सीएम हेल्पलाईन शिकायतों को गंभीरता लेकर उन शिकायतों का निराकरण तय समयसीमा में संबंधित विभागों से करवाती हैं. जून 2025 में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में शाजापुर जिला एक बार फिर प्रथम पायदान पर रहा, जिसके लिए समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कलेक्टर ऋजु बाफना को शिकायतों के बेहतर निराकरण के लिए बधाई दी. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई समीक्षा बैठक में जिले के पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत सीईओ संतोष टैगोर, अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर श्रीमती अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए.

हर महीने 5 हजार शिकायतों का होता है निराकरण

शाजापुर जिले में पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य और अन्य विभागों को मिलाकर लगभग 5 हजार शिकायतें मुख्यमंत्री हेल्पलाईन पर दर्ज की जाती हैं, जिनका 90 प्रतिशत निराकरण किया जाता है. शाजापुर जिला पूरे प्रदेश में दो महीने से लगातार प्रथम पायदान पर है. मई और जून में सीएम हेल्पलाईन के निराकरण के मामले में शाजापुर जिला 55 जिलों में प्रथम स्थान पर है. लगभग 150 से अधिक शिकायतें रोज दर्ज होती हैं सीएम हेल्पलाईन में. सभी विभागों की शिकायतों का निराकरण संबंधित विभाग करता है और उसके बाद रैंकिंग दर्ज की जाती है. जिसमें पुलिस विभाग, विद्युत मंडल, राजस्व, नगर पंचायत, जनपद एवं अन्य विभाग शामिल हैं.

शिकायतों पर गंभीरता का परिणाम, दो महीनों से लगातार प्रथम स्थान पर जिला

सीएम हेल्पलाईन पर की गई शिकायतों के निराकरण की गंभीरता से पता चलता है कि जिला प्रशासन शिकायतों का निराकरण कितनी त्वरित गति से करता है. क्योंकि मई 2025 और जून 2025 दो महीने से लगातार शाजापुर जिला प्रदेश में पहले पायदान पर काबिज है. पूरे मप्र के 55 जिलों को दो भागों में बांटा गया है, जिसमें शाजापुर जिला बी श्रेणी के जिलों में आता है. बी श्रेणी में भी शाजापुर जिला प्रथम और पूरे प्रदेश में भी प्रथम.

पानखेड़ी में अंधा बांटे रेवड़ी, अपने-अपने को दे...

बात शाजापुर की

मनोज पुरोहित

पानखेड़ी कालापीपल के कई वार्ड ऐसे होंगे, जो अंधेरे में डूबे होंगे, कई जगह सड़कें नहीं होंगी, नालियों के अभाव में गंदा पानी सड़कों पर बह रहा होगा, लेकिन वार्ड 15 की एक अवैध कॉलोनी ऐसी भी है, जो अवैध होने के बावजूद सरकारी पैसों से विकसित हो गई है. यहां एक कहावत चरितार्थ होती है कि अंधा बांटे रेवड़ी, अपने-अपने को दे. इन पंक्तियों का औचित्य यहां इसलिए भी सटीक बैठता है कि पानखेड़ी कालापीपल की जनता ने पानखेड़ी के प्रथम नागरिक की कुर्सी के लिए जय-जयकार करते हुए अग्रवाल की जीत का प्रकाश फैलाया. लेकिन इसके बाद जनता की जय हुई हो या न हुई, कालापीपल में विकास रूपी प्रकाश फैला या नहीं... इस बात की तो कोई गारंटी नहीं है, लेकिन पानखेड़ी कालापीपल के प्रथम नागरिक याने नगर परिषद अध्यक्ष जयप्रकाश जी ने अपनी अवैध कॉलोनी में परिषद से विकास कार्य जरूर करा लिए. उन्होंने सरकारी खजाने से यहां तमाम वो व्यवस्थाएं जुटा ली, जिनके लिए आज भी कालापीपल की जनता तरस रही है. हाल ही में उन्हें अवैध कॉलोनी के लिए नोटिस भी जारी किया गया था. जिस पर जुर्माना भी हुआ. लेकिन उनका कहना है कि उनकी कॉलोनी 2016 के पहले की है. हालांकि दूसरी तरफ वे प्रशासन द्वारा दिए गए नोटिस के आधार पर अवैध कॉलोनी का दाग भी जुर्माने से धो चुके हैं. उन्होंने अपनी इस अवैध कॉलोनी में अपनी ही परिषद से विकास कार्य करा दिए, जबकि परिषद किसी भी अवैध कॉलोनी में विकास कार्य नहीं कर सकती है, लेकिन कहा जाता है कि जब सैयां भये कोतवाल, तो डर काहे का... कांग्रेस की आत्मा को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पानखेड़ी कालापीपल परिषद के अध्यक्ष की अवैध कॉलोनी अपने रसूख की कहानी खुद बयां कर रही है.

लाला ने नैनावद में खोली जुएं की दुकान

जुएं की दुकान अब शाजापुर जिले से हटकर जुआं किंग लाला ने नैनावद में नई दुकान लॉन्च की है. क्योंकि ये एरिया तराना पुलिस के अंतर्गत आता है. इसलिए अब नए जुआंघर से तराना पुलिस के गल्ले में आवक शुरू होगी. आर. कंपनी के विवाद और शुरू-बंद होने वाले सट्टे, जुएं के कारण जिले में इन दिनों जंगल का जुआं मंगल नहीं हो पा रहा है. जुआं किसी का भी हो, बिना लाला की उपस्थिति के जुआं संचालित नहीं होता है. अब लाला ने जुएं का नया ठिकाना नैनावद में खोजा है.

यहां भी खुदा, वहां भी खुदा, जहां नहीं खुदा, वहां कल खुदेगा...

शाजापुर की स्थिति कुछ इस प्रकार है ***यहां भी खुदा, वहां भी खुदा, जहां नहीं खुदा, वहां कल खुदेगा...*** पहले सड़कें बनाई गई, फिर उसके बाद नल पाइप लाइन के लिए फिर खोद दिया. सवाल यह उठता है कि ये कैसा सिस्टम कि सड़क बनाने के पहले पाइप लाइन नहीं बिछाई जाती है और सड़क बनने के बाद पाइप लाइन डाली जाती है. ये जनता के पैसे के साथ सबसे बड़ा मजाक हो रहा है शाजापुर शहर में. जो चमचमाती सड़कें बनी थी, वे इन दिनों पाइप लाइन के कारण गड्ढों में तब्दील हो गई है.

अंत में...

शाजापुर में हाल ही में आए एक साहब बहादुर इतना मीठा बोलते हैं कि शुगर को भी शक्कर हो जाए.

प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का महत्व समझाया

बीकेएसएन कॉलेज की रासेयो इकाई ने किया आयोजन

शाजापुर, 30 जुलाई. प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने के साथ-साथ अपने आसपास अधिक से अधिक पेड़ लगाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पिछले विश्व पर्यावरण दिवस से प्लास्टिक मुक्त जागरूकता अभियान अभियान चलाया जा रहा है.

इसी के तहत रासेयो सी प्रमाण पत्र परियोजना पर कार्य कर रहे स्वयंसेवकों द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय गिरवर के बच्चों के साथ एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण किया तथा रासेयो एसयूओ लक्ष्मी पुष्पद ने बच्चों को हरित शपथ दिलाई और बच्चों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के महत्व और इसके पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में जानकारी दी. इस दौरान विद्यालय स्टॉफ के साथ रासेयो से आकाश गोरासिया, रीना पंवार, सूरज राय, ताक्शी, अंजली, आशीष परमार, प्रिया पटेल, रविंद्र, पवन पुरी, इसराईल खां, रवि मालवीय, सूरज सिंह सोनगरा, सुनिल गुर्जर, सुमन गोयल, शिवम परिहार, अन्नू सौराष्ट्रीय, दीपिका कोहली, भावना पंवार, विकास गिरी आदि उपस्थित रहे.

जर्जर भवन के डर से बच्चे नहीं जा रहे स्कूल

यूईजीएस शाला कोलूखेड़ी का भवन जर्जर, बारिश में स्थिति और बिगड़ी

मोहन बड़ोदिया, 30 जुलाई. मोहन बड़ोदिया विकासखंड के यूईजीएस शाला कोलूखेड़ी का विद्यालय भवन जर्जर हो रहा है, जिसमें दो शिक्षकों पर कुल 11 बच्चे अध्ययन करते हैं. ग्रामीण मेहरबान सिंह भिलाला ने बताया कि विद्यालय भवन में पानी टपक रहा है और छत जर्जर हो रही. छत के सरिए दिख रहे हैं. ऐसे में कोई बड़ा हादसा ना हो जाए, इसलिए ग्रामीण बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे हैं.

मौके पर छात्रा अनुराधा ने बताया कि वो 4थी कक्षा में है और रोज स्कूल आती हैं, किंतु दो दिन से बारिश के चलते स्कूल में छत से मलबा गिरने के चलते उसके पिताजी स्कूल में नहीं भेज रहे. ताकि हादसा ना हो जाए. विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेन्द्र सिंह राजपूत का कहना है कि विभाग के अधिकारियों को विगत दो वर्षों से अवगत करवाते आ रहे हैं. अधिकारियों ने आश्वाशन दिया कि मरम्मत की राशि आ गई है, पर अभी तक खाते में नहीं आई. ग्राउंड जीरो से जब मोहन बड़ोदिया बीआरसी योगेश भावसार से फोन पर बात की गई, तो उनका कहना है कि मुझे जानकारी नहीं है. अपने बताया है, तो विद्यालय को पास के आंगनवाड़ी भवन में शिफ्ट कर दिया जाएगा. लेकिन मौके पर पता चला कि स्कूल से ज्यादा हालत खराब तो आंगनवाड़ी भवन की है.

बिना बीम-कॉलम के बना भवन...

ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय भवन का निर्माण हुए ज्यादा समय नहीं हुआ है. भवन भी बिना बीम कॉलम का है. ऐसे में भवन लटक कर गिर सकता है और बड़ा हादसा हो सकता है. इस पर सवाल ये उठता है कि शिक्षा विभाग के जब विद्यालय भवन ही सुरक्षित नहीं है, तो स्कूल में पालक किस विश्वास पर अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में प्रवेश दिलवाएं. फिलहाल मोहन बड़ोदिया बीआरसी ने कहा है कि अभी अस्थाई रूप से विद्यालय गांव में कहीं किराए का मकान लेकर चलाएंगे.

एक नजर में — सड़क पर 3 घंटे जाम में फंसी रहती हैं स्कूल बसें, परेशान होते हैं नौनिहाल, नगर परिषद उदासीन

मक्सी पशु हाट बाजार स्कूली बच्चों के लिए बना सिरदर्द

मक्सी, 30 जुलाई. हर शनिवार को सिरोलिया रोड स्थित मक्सी पशु बाजार में लगने वाला साप्ताहिक हाट अब स्कूली बच्चों और आम नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है. सुबह 8 से 11 बजे के बीच सिरोलिया मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे स्कूली बच्चों की बसें घंटों जाम में फंसी रहती हैं. तीन से चार घंटे तक बच्चों का बस में बैठे रहना न केवल उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि समय की भी भारी बर्बादी है. सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग, खुलेआम हो रही अव्यवस्था से ट्रैफिक पूरी तरह चरमरा गया है.

सिरोलिया मुख्य मार्ग पर बने ओवरब्रिज के किनारे सर्विस रोड का अभाव भी समस्या को और बढ़ा देता है. सामान्य दिनों में ओवरब्रिज के साइड से निकलने का विकल्प रहता है, लेकिन बारिश के मौसम में यह कच्चा रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. इस मार्ग से लगभग एक दर्जन गांव जुड़े हुए हैं और इसी मार्ग पर प्राचीन झरनेश्वर महादेव मंदिर है, जिसके चलते यह मार्ग बेहद व्यस्त रहता है. ऐसे में साप्ताहिक हाट के दौरान अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना को जन्म दे सकती है. स्कूली बच्चों की बसों में घबराहट, गर्भवती महिलाओं को परेशानी, एक्सीडेंट या किसी अन्य आपातकालीन स्थिति से इंकार नहीं किया जा सकता.

पुलिस ने संभाला मोर्चा

बीते शनिवार को स्थिति बिगड़ती देख थाना प्रभारी भीम सिंह पटेल दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और यातायात व्यवस्था को सुधारने के प्रयास किए. पुलिस की तत्परता के बाद कुछ हद तक राहत मिली. परंतु समस्या की जड़ अब भी बनी हुई है.

नगर परिषद को उठाना चाहिए कोई ठोस कदम

यह एक गंभीर विषय है, जिस पर नगर परिषद और प्रशासन को तुरंत संज्ञान लेकर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है. ताकि भविष्य में किसी अनहोनी से बचा जा सके और प्रशासन को चाहिए कि साप्ताहिक पशु हाट बाजार के सिरोलिया मुख्य मार्ग के किनारे खड़े वाहनों पर चालानी कार्यवाही की जाए, जो मार्ग को बाधित करते हैं.

स्कूल संचालकों ने की समाधान की मांग

पहले भी स्कूल संचालकों द्वारा मक्सी नगर परिषद एवं मक्सी थाने पर आवेदन दिए जा चुके हैं कि कुछ ऐसी व्यवस्था बन जाए कि स्कूली बच्चों को दिक्कत और परेशानी न आए. इससे न केवल स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी, बल्कि आम जनता को भी राहत मिलेगी.

इनका कहना है

अगले हाट से पुलिस के सहयोग से व्यवस्था सुचारू करवा देंगे और जो वैधानिक कार्यवाही होगी, वो करेंगे.

- अशफाक खान, सीएमओ, नगर परिषद, मक्सी

तीन दिनों में हुई 4 इंच बारिश

शुजालपुर, 30 जुलाई. पिछले तीन दिनों से रूक-रूक कर जारी बारिश का दौर बुधवार को दिन में थमा रहा, हालांकि शाम के बाद आसमान में बादलों की उपस्थिति होने लगी और रिमझिम फूंहारे बरसने लगी. शुजालपुर में पिछले तीन दिनों में 4 इंच बारिश हुई और मंगलवार की सुबह से बुधवार की सुबह के मध्य 3 इंच के लगभग पानी बरसा. तहसील शुजालपुर में 1 जून से अब तक 17 इंच बारिश दर्ज हो चुकी है, गत वर्ष इस अवधि तक लगभग 20 इंच बारिश हो गई थी. मंगलवार को दिनभर व रात में हुई बारिश से जलाशयों का जल स्तर अच्छा हो गया. शुजालपुर मंडी स्थित अंडर ब्रिज पानी से बुधवार को भी पुरी तरह लबालब रहा. अंडर ब्रिज से आगे भी दो तीन दिन वाहनों का गुजरना मुश्किल दिख रहा है. अंडर ब्रिज से आवागमन बंद होने के कारण रेलवे गेट पर बार-बार लम्बा जाम लगता रहा. उधर शहर की कई कॉलोनियों में जल भराव की स्थिति भी निर्मित हुई. साथ ही कच्चे मार्गो पर कीचड़ जमा हो गया. सिटी मंडी के मध्य दीपछाया कॉलोनी के रहवासी भी बारिश का पानी जमा होने से परेशान है. इस कॉलोनी के दोनों प्रमुख प्रवेश मार्गो पर बारिश का पानी बुधवार को भी भरा रहा. यहां पर निकासी की व्यवस्था नहीं होने से रहवासी परेशान हो रहे है. कॉलोनी के पीडी बैरागी ने बताया कि कुछ स्थानों पर पानी के निकासी के मार्ग को बंद कर दिया, जिसके कारण सड़कों पर पानी जमा हो रहा है.